भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 5578
दिनांक 04 अप्रैल, 2025 को उत्तर के लिए

आंगनवाड़ी केन्द्रों पर 'ई-प्वाइंट आफ सेल' (ई-पॉस) मशीनें

5578. **श्री इमरान मसूदः**

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पोषाहार/राशन वितरण में अनियमितताओं और घोटालों को रोकने के लिए ई-प्वाइंट आफ सेल मशीनों के माध्यम से पोषाहार/राशन वितरित करने का निर्णय लिया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या देश को किसी भी राज्य में आंगनवाड़ी केन्द्रों पर ई-पॉस मशीनो के माध्यम से पोषाहार/राशन वितरित किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) उत्तर प्रदेश में आंगनवाड़ी केन्द्रों पर ई-पॉस मशीनों के माध्यम से पोषाहार/राशन वितरण की स्थिति क्या है?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) तथा (ख): ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के तहत पूरक पोषण सहित सभी लाभ लक्षित लाभार्थियों तक पहुँचें, सरकार ने पोषण सामग्री, प्रदायगी आउटरीच और परिणामों को मजबूत करने के लिए कदम उठाए हैं जिसमें स्वास्थ्य, कल्याण और रोग तथा कुपोषण के प्रति प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने वाली पद्धतियों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

इस संबंध में, 13.01.2021 को सुव्यवस्थित दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, जिनमें गुणवत्ता आश्वासन, कर्तव्यधारकों की भूमिकाएं और उत्तरदायित्व, खरीद की प्रक्रिया, पारदर्शिता के लिए "पोषण ट्रैकर" के माध्यम से आयुष अवधारणाओं और डेटा प्रबंधन तथा निगरानी को एकीकृत करना, पूरक पोषण के वितरण में दक्षता और जवाबदेही जैसे कई पहलुओं को शामिल किया गया था।

देश भर में आंगनवाड़ियों में प्रदान की जाने वाली सेवाओं के कार्यान्वयन और निगरानी पर लगभग तत्कालीन समय के डेटा को कैप्चर करने के लिए पोषण ट्रैकर नामक एक मजबूत आईसीटी सक्षम प्लेटफ़ॉर्म डिज़ाइन किया गया है। पोषण ट्रैकर प्रबंधन एप्लिकेशन आंगनवाड़ी केंद्र (एडब्ल्यूसी) में गतिविधियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों (एडब्ल्यूडब्ल्यू) की सेवा प्रदायगी पर नज़र रखता है और पूर्ण लाभार्थी प्रबंधन की सुविधा प्रदान करता है।

(ग) जैसा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बताया गया है, उनके आंगनवाड़ी केंद्रों पर ई-पीओएस मशीनों के माध्यम से पोषाहार/राशन वितरित नहीं किया जा रहा है।

*****